कुल पृष्ठ संख्या–24 (कवर पेज सहित)

क्रम संख्या....

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

Candidate's Roll No. In English

(In Figures) | | | | | | | |

(In Words) --

परीक्षार्थी का नामांक हिन्दी में

शब्दों में --

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ☑ अंग्रेजी ☐

विषय ......हिन्दी......

परीक्षा का दिन............ ....

दिनांक ....

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य है, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1		19	
2		20	
3		21	
4		22	
5		23	
6		24	
7		25	
8		26	
9		27	
10		28	
11		29	
12		30	
13		31	
14		योग	
15		प्राप्त अंकों का कुल योग (Roundoff)	
16		अंकों में	शब्दों में
17			
18			

परीक्षक के हस्ताक्षर ...... संकेतांक | | | | | |

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तक के निर्माण में 58 जी.एस.एम. क्रीमवोव कागज ही उपयोग में लिया गया है। 159/2016

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंषा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर, अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रोनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध है।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरुप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठ पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित है। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

'खण्ड क'

① (क) शीर्षक - 'स्वावलम्बन का महत्त्व'

(ख) जब कोई व्यक्ति अपने कार्यों को स्वयं नहीं कर पाता है तथा अपने जीवन यापन के लिए दूसरों पर निर्भर हो जाता है तो वह समाज के लिए भार बन जाता है।

(ग) समाज की प्रगति उसके नागरिकों की स्वावलम्बन शक्ति, आत्मविश्वास तथा आलस्यरहितता पर निर्भर करती है।

(घ) महापुरुष स्वावलम्बन के पुजारी थे। उन्होंने स्वावलम्बन के अमृत को पीकर ही अपने जीवन को सफल बनाया।

② रणभेरी सुन - - - - - - - - - पथिककहीं।

(क) शीर्षक - 'बलिदान का पथ'

(ख) युद्ध की रणभेरी सुनकर सैनिक हँसते हुए अपने परिवारजनों से विदा लेकर युद्ध में जाने के लिए तैयार हो जाते हैं।

(ग) 'कर्तव्य-प्रेम की उलझन' से कवि

P.T.O.

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

का आशय है कि युद्ध में जाते हुए सैनिक के मन में देश के प्रति अपने कर्तव्य तथा परिवारजनों के मोह की उलझन चल रही है। उसे निश्चित रूप कर्तव्य पथ को चुनना चाहिए।

(घ) जब स्वदेश बलिदान माँगता है तो हमें अपने व्यक्तिगत दुःखों व कष्टों से ऊपर उठकर सर्वस्व बलिदान के लिए तैयार रहना चाहिए।

'खण्ड ख'

(5)

(क) 'अमित ने अजय को अपना खिलौना दे दिया'

इस वाक्य सकर्मक क्रिया है। क्रिया के साथ दो कर्म (अजय, खिलौना) आये हैं।

परिभाषा :-

जब वाक्य में क्रिया के साथ कर्म प्रयुक्त हो तथा क्रिया का व्यापार व फल कर्म पर पड़े तो उसमें सकर्मक क्रिया होती है।

(ख) 'महात्मा गांधी' का पद परिचय

- व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

'बोलते थे' का पद परिचय -
सकर्मक क्रिया, भूतकाल ।

(ग) रचना की दृष्टि से वाक्य के 3 भेद होते हैं
(i) सरल वाक्य -
वह वाक्य जिसमें एक ही उद्देश्य और विधेय प्रयुक्त हो।
उदाहरण :- राम खेलता है।
(ii) संयुक्त वाक्य -
वह वाक्य जिसमें एक से अधिक उद्देश्य और विधेय हो तथा वे संयोजक शब्द से जुड़े हो।
उदाहरण :- राम पढ़ता है किन्तु मोहन सोता है।

(iii) मिश्र वाक्य :-
वह वाक्य जिसमें एक प्रधान उपवाक्य तथा अन्य आश्रित उपवाक्य हो।
उदाहरण :- नेताजी ने कहा कि दिल्ली चलो।

(घ) (i) 'नौ दो ग्यारह' - भाग जाना
वाक्य प्रयोग -
पुलिस को देखकर चोर नौ दो ग्यारह हो गया।

(ii) 'काला अक्षर भैंस बराबर'
वाक्य प्रयोग :-
मोहन अनपढ़ है।

P.T.O.

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उसे किताब पढ़नी कहाँ से आएगी। उसके लिए तो "काला अक्षर भैंस बराबर" है

(ड.) "सत्य सनेह शील सुखसागर"
प्रमुख अलंकार – 'स' वर्ण की आवृत्ति से अनुप्रास अलंकार है। सुख सागर में रूपक अलंकार है।
परिभाषा – जहाँ समान वर्ण की आवृत्ति होती है वहां अनुप्रास अलंकार होता है।
रूपक – जब किसी काव्य पंक्ति में उपमेय व उपमान में भेद होते हुए भी उन्हें एक मान लिया जाता है। सुख रूपी साग

"खण्ड ग"

(6) एक के – – – – – – – थिरकन

(क) फसल पैदा करने में निम्न तत्वों का योगदान प्रमुख है :
(i) नदियों का पानी
(ii) हवा की थिरकन
(iii) मिट्टी की गुणवत्ता
(iv) सूर्य का प्रकाश
(v) मानवीय परिश्रम

(ख) खेतों मे लहलहाती फसल को देखकर मानव के मन में अपने

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

परिश्रम को सफल देखकर सन्तुष्टि मिलती है तथा अच्छी उपाय, सुख-समृद्धि तथा आनन्द-पूर्ण जीवन के चित्र उभरते हैं।

(7.)

(क) गोपियों को उद्धव का 'निर्गुण ब्रह्म' तथा 'योग साधना' का सन्देश अप्रिय तथा शुष्क लगा। प्रेममार्गी गोपियों ने इसे "कड़वी ककड़ी के समान कड़वा" तथा अपने लिए एक "व्याधि" कह दिया।

(ग) कवि गिरिजाकुमार माथुर हमें यह सन्देश देना चाहते हैं कि हमें विगत जीवन की सुखद स्मृतियों को भूलकर वर्तमान की कठोर वास्तविकता का सामना कर भविष्य का वरण करना चाहिए

(घ) इस संवाद में हमें राम के गुणों को अपनाना चाहिए। तुलसी के राम मानवीय मर्यादाओं, नीति, शील, त्याग, सदाचार विनम्रता तथा बड़ों के प्रति निष्ठावान हैं। ये जीवन मूल्य प्रमुख तथा अपनाने योग्य हैं।

(8.) फटिक सिलानि - - - - - - लगत चन्द्र।

(क) रेखांकित पंक्ति में कवि देव ने

P.T.O.

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

चन्द्रमा को राधाजी का प्रतिबिम्ब बताया है अर्थात् राधाजी की सुन्दरता चन्द्रमा से भी बढ़कर व अद्वितीय है।

(ख) 'दूध को सो फेन' से कवि देव का आशय है कि चाँदनी शुभ्र दूध के झाग के समान उज्ज्वल, श्वेत तथा स्वच्छ प्रतीत हो रही है।

(ग) सुन्दर चाँदनी के कारण आकाश का स्वरूप उज्ज्वल व स्वच्छ लग रहा है। आकाश में चाँदनी दही के समुद्र के समान अत्यधिक तीव्रता से उमड़ रही है।

(घ) यह पंक्ति नायिका राधा के लिए प्रयुक्त हुई है जो दर्पण के समान स्वच्छ आकाश में प्रकाश-पुञ्ज के समान उज्ज्वल लग रही है।

(9) पढ़ने लिखने .... अपराध करना है

(क) समाज में अनर्थ के प्रमुख कारण दुराचार और पापाचार है। ये व्यक्ति विशेष का चाल-चलन देखकर ज्ञात किए जा सकते हैं।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(ख) समाज की दृष्टि में ऐसे लोग दण्डनीय है जो यह जानते हैं कि प्राचीन काल में स्त्री - शिक्षा का प्रचलन था फिर भी वे लोगों को जान बूझकर धोखा दे रहे है तथा स्त्री शिक्षा के प्रसार को रोक रहे है।

(10) (क) बालगोबिन भक्त रेखाचित्र सामाजिक रूढ़ियों पर प्रहार करता है इसके प्रमाण निम्न है :-

(i) उनकी पतोहू ने उनके पुत्र को मुखाग्नि दी।
(ii) वे विधवा - विवाह के समर्थक थे पतोहू का पुनर्विवाह करवाया।
(iii) मृत्यु को आनन्द का उत्सव मानना।
(iv) भक्ति के लिए सन्यास को जरूरी न मानना।

(ख) फादर बुल्के का जन्म रैम्सचैपल (बेल्जियम) में हुआ फिर भी उन्होंने भारत को अपनी कर्मभूमि बनाया। हिन्दी भाषा के विकास में योगदान दिया तथा भारतीय संस्कृति के प्रतीक राम - कथा पर शोध - प्रबन्ध लिखा। अतः फादर भारतीय संस्कृति के अभिन्न अंग थे।

(ग) लेखिका मन्नू भण्डारी ने जब स्वाधीनता आन्दोलन में सक्रिय भाग लिया तो उनके पिता के एक दकियानूसी मित्र

P.T.O.

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

ने आकर उन्हें भड़काया जिससे वे मन्नू पर क्रोधित हुए जब डॉ० अम्बालाल ने मन्नू के कार्यों की प्रशंसा की तो वे गर्वित हुए अत: उपर्युक्त बात स्पष्ट है।

(11) (क) 'नेताजी का चश्मा' पाठ में लेखक ने कैप्टन चश्मेवाले के माध्यम से स्वतन्त्रता व देशप्रेम में आम लोगों का योगदान दर्शाया है। कैप्टन नेताजी की मूर्ति पर चश्मा लगाकर देशभक्ति जताता था। अत: देशप्रेम को व्यक्त करने के लिए फौजी होना जरूरी नहीं है ये साधारण कार्यों से भी व्यक्त हो जाता है।

(ख) बिस्मिल्ला खाँ खुदा से पाँच वक्त की नमाज अदा करते वक्त सच्चा सुर मांगते थे। वे प्रार्थना नियमित रोजाना करते थे। खुदा ने उनकी प्रार्थना सुनी और उन्हें शहनाई वादन के क्षेत्र में सरताज बना दिया।

(12) खण्ड-घ

बच्चे बचपन में निर्दोष, निर्भय और मस्त स्वभाव के होते हैं। 'माता का अँचल' पाठ में यह बात स्पष्ट होती है जब

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

बच्चे बूढे वर को चिढ़ाते हुए उसे बुढ़ा कहते हैं इससे उनकी निर्भयता का पता चलता है। जब वह मुसन तिवारी के साथ मस्ती करते हैं तथा उन्हें ससुर कहते हैं इससे उनके मस्त स्वभाव का पता चलता है। बच्चे अपने हर सुख को हँसकर तथा दुःख को रोकर व्यक्त करते हैं इससे उनके निर्दोष स्वभाव का ज्ञान मालूम होता है।

(10.) (क) 'जार्ज पंचम की नाक' कहानी में लेखक कमलेश्वर ने भारत सरकार की स्वाभिमान रहित गुलाम मानसिकता पर तीखा व्यंग्य किया है। जिन्होंने हमारा सदियों तक शोषण किया उनके सम्मान और स्वागत के लिए सरकारी तंत्र की चिन्ता व बदहवासी पर कटाक्ष की गई है।

(ग) टुन्नू के शहीद होने का समाचार सुनकर कठोर हृदया मानी जाने वाली दुलारी का हृदय द्रवित हो गया। उसकी आँखों से आँसू सहज ही निकल आये क्योंकि उसने अपना आत्मिक प्रेमी खो दिया था। दुलारी व्याकुल व अधीर हो गयी।

(घ) लेखिका मधु ने 'माया - संसार'

P.T.O.

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

तथा 'छाया - सौन्दर्य' के लिए प्रयुक्त किए है। इसका शाब्दिक अर्थ सन्सार का सौन्दर्य है। लेखिका ने प्रकृति के द्वारा पल-पल अपने रूप को बदलने की प्रवृत्ति को माया और छाया का खेल कहा है।

(14)

(क) दुपहिया वाहन चलाते समय निम्न बातो का ध्यान रखना चाहिए :-

(i) हेलमेट का प्रयोग अनिवार्य रूप से करे।

(ii) निर्धारित गति सीमा मे वाहन चलाये।

(iii) शराब व मादक पदार्थों का सेवन न करे।

(iv) लाइसेन्स व अन्य कागज साथ रखे तथा यातायात चिह्नो तथा नियमो का पालन करे।

(ख) एक अच्छे नागरिक होने के नाते हम दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति की सर्वप्रथम प्राथमिक चिकित्सा करेगे। उसे शीघ्रताशीघ्र से अस्पताल पहुचाऐ उसके परिजनो को दुर्घटना की सूचना देगे तथा मामले मे पुलिस की हरसम्भव मदद करेगे।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(खण्ड ख)

(4) सेवा में,
श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय,
पुलिस मुख्यालय
बीकानेर।

विषय - मुहल्ले में बढ़ती चोरी की वारदातों की शिकायत हेतु पत्र।

मान्यवर,
उपरोक्त विषयान्तर्गत निवेदन है कि मैं कपिल, बीकानेर के रानी बाजार क्षेत्र का निवासी हूँ। हमारे मुहल्ले में गत दिनों में अनेक चोरी की वारदातें हुई हैं। अपराधी भी अभी तक पुलिस की पकड़ से बाहर है। इस कारण लोगों के मन में चोरी के परिपेक्ष्य मे दहशत व्याप्त है।
अतः आप से निवेदन है कि आप इस मामले की जानकारी लेकर अपराधियों को शीघ्र पकड़े तथा रानी बाजार क्षेत्र मे पुलिस की रात्रि-गश्त की व्यवस्था करें।
कृपया हमारी प्रार्थना पर ध्यान देवे आपकी अति कृपा होगी।
सधन्यवाद।

दिनांक
10 मार्च 2016

आपका विश्वसनीय
कपिल
Kapil
हस्ताक्षर P.T.O.

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(3) "राजस्थान में गहराता जल संकट"

संकेत बिन्दु :-
(i) जल का महत्त्व
(ii) जलाभाव का परिणाम
(iii) जल की उपलब्धता
(iv) भावी जल संकट
(v) उपसंहार

1. जल का महत्त्व :-

सृष्टि के पञ्च-भौतिक तत्वों में जल सबसे महत्त्वपूर्ण है। जल सजीवों के जीवन का आधार है। मानव सहित अन्य सभी सजीव प्राणी अपनी दैनिक आवश्यकता के लिए पूर्ति के लिए जल पर प्रत्यक्ष रूप से निर्भर रहते हैं। जल मानव के विभिन्न कार्यों जैसे- पीने, खाना बनाने, नहाने आदि मे अनिवार्य है। जल का औद्योगिक उपयोग भी अत्यधिक है इसलिए कहा गया है-

जल है तो जीवन है।
जल है तो कल है।

2. जलाभाव के परिणाम :-

वर्तमान में जल के अविवेकपूर्ण उपयोग, मनुष्य की

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

स्वार्थी प्रवृत्ति, भौतिकतावादी चिन्तन तथा अनास्थावादी दृष्टिकोण से जल संकट बढ़ रहा है। राजस्थान के रेगिस्तानी इलाके मे जलाभाव से निम्न समस्याएँ उत्पन्न होगी

(i) पेयजल उपलब्ध नहीं होगा।

(ii) कृषि कार्य बाधित होंगे।

(iii) औद्योगिक जल आवश्यकता की पूर्ति नहीं होगी।

(iv) वनों का विनाश होगा।

(v) जल के लिए लोगों मे संघर्ष होगा।

3. जल की उपलब्धता :- राजस्थान एक रेगिस्तानी क्षेत्र है। यहाँ वर्ष मे वर्षा बहुत कम होती है। यहाँ के भूजल का स्तर भी काफी नीचा है। अत: यहाँ जल बहुत ही सीमित व अल्प मात्रा मे उपलब्ध है इसके नागरिको चाहिए कि उपलब्ध का जल का सदुपयोग करें। वर्षा जल का संग्रहण कर जल उपलब्धता को बढ़ाएं। जैसलमेर बीकानेर व बाड़मेर मे जलाभाव की समस्या को इन्दिरा गांधी नहर से कम की गई है।

4. भावी जल संकट :- राजस्थान मे जल की सीमित उपलब्धता को देखते हुए यहाँ भविष्य मे जल संकट उत्पन्न होने की

P.T.O.

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

सम्भावना है। बढ़ती जनसंख्या तथा घटते भू-जल स्तर से इसकी आशंका और प्रबल हो जाती है। सरकार भी इस क्षेत्र में चिन्तित है। इस संकट से निपटने की तैयारी पहले से ही करते हुए राजस्थान सरकार ने मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन योजना की शुरुआत 27 जनवरी 2016 को झालावाड़ जिले में की। इसका उद्घाटन मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे ने किया। इस योजना का प्रमुख उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में वर्षा जल का संग्रह कर उन्हें जल उपलब्धता में आत्मनिर्भर बनाना है। सरकार का यह प्रयास प्रशंसनीय है परन्तु जन-भागीदारी नितान्त आवश्यक है।

5. उपसंहार :-

जल प्रकृति का जीवन रक्षक तत्व है। हमें व्यक्तिगत स्वार्थ से प्रेरित होकर इसका दुरुपयोग नहीं करना चाहिए। जल संरक्षण के प्रयास जैसे अमृतम् जलम् आदि आवश्यक हैं। जल एक नवीकरणीय संसाधन है। हमें पुनर्भरण करना चाहिए। आज की गई बचत ही कल की पूंजी है। अतः कहा गया है

"राजस्थान में जल घी से भी मूल्यवान है"

"समाप्त"

द्वारा ...ंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर